B.A.- 1st
Paper - IInd

Pol. Sc

Comparative Government and Politics

Topic — फ्रांस के राष्ट्रपति और अमेरिका के राष्ट्रपति से तुलना।
(Comparision between Franch President and American President)

फ्रांस के चतुर्थ गणतंत्र का राष्ट्रपति संसदीय व्यवस्था का प्रधान होने के नाते एक औपचारिक प्रधान मात्र था। और इस कारण उसकी अमेरिका के राष्ट्रपति जैसे शक्तिशाली पदाधिकारी के साथ तुलना करना उपयुक्त नहीं है, लेकिन पंचम गणतंत्र के संविधान द्वारा राष्ट्रपति की स्थिति में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया, पंचम गणतंत्र का राष्ट्रपति अमेरिकी संघ के राष्ट्रपति के समान ही अपने राज्य का न केवल वैधानिक वरन वास्तविक प्रधान भी है। इस दृष्टि से इन दोनों देशों के राष्ट्रपति की तुलना नि०लि० बिन्दुओं के अन्तर्गत किया जा सकता है।

1. निर्वाचन :— दोनों देशों के राष्ट्रपतियों का निर्वाचन पद्धति समान है। दोनों देशों के राष्ट्रपतियों का चुनाव एक निर्वाचन मण्डल द्वारा होता है। अमेरिका में संविधान निर्माताओं द्वारा राष्ट्रपति के चुनाव में अप्रत्यक्ष पद्धति को अपनाया गया था, लेकिन व्यवहार में इसने प्रत्यक्ष निर्वाचन का रूप प्राप्त कर लिया है। इसी प्रकार फ्रांस के मूल संविधान में अप्रत्यक्ष निर्वाचन को अपनाया गया था, लेकिन 1962 में किये गये संशोधन के अनुसार अब राष्ट्रपति का निर्वाचन प्रत्यक्ष रूप से होता है। इस प्रकार निर्वाचन पद्धति के आधार पर दोनों देशों के राष्ट्रपति राष्ट्र के सर्वोच्च प्रतीक बन गये हैं।

2. कार्यकाल :— कार्यकाल की दृष्टि से दोनों देशों के राष्ट्रपतियों में अन्तर है। अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यकाल 4 (चार) वर्ष का है। वह दो बार से अधिक इस पद पर निर्वाचित नहीं हो सकता, किन्तु फ्रांस के पंचम गणतंत्र का राष्ट्रपति का कार्यकाल सात (7) वर्ष है, और उसके पुनर्निर्वाचन पर भी कोई प्रतिबन्ध नहीं है। दोनों देशों के राष्ट्रपतियों को इनके कार्यकाल के पूर्व केवल महाभियोग के आधार पर पदच्युत किया जा सकता है। फ्रांस के राष्ट्रपति का दीर्घ कार्यकाल व्यवहार में उसे अधिक शक्तिशाली बना देता है।

3. शक्तियों की दृष्टि से :— जहाँ तक शक्तियों का सम्बन्ध है, फ्रांस के पंचम गणतंत्र

Scanned with CamScanner

(2)

का राष्ट्रपति कुछ बातों में अमेरिका के राष्ट्रपति के समान है और कुछ बातों में अमेरिकी राष्ट्रपति से कम या अधिक शक्तिशाली है। इस संबंध में इस तथ्य को दृष्टि में रखना चाहिए कि फ्रांस में अमेरिका के जैसा अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली को अपनाया गया है और न ही ब्रिटेन जैसा संसदात्मक व्यवस्था को फ्रांस में अध्यक्षात्मक एवं संसदात्मक व्यवस्था का मिश्रण है

4. कार्यपालिका क्षेत्र में :— कार्यपालिका क्षेत्र में फ्रांस के राष्ट्रपति से अमेरिका के राष्ट्रपति को अधिकशक्तिशाली कहा जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति अपने मंत्रियों की बात मानने के लिए बाध्य नहीं है। फ्रांस का राष्ट्रपति भी कुछ बातों (जैसे प्रधानमंत्री की नियुक्ति, संसद को भंग करना, संवैधानिक परिषद के गठन, संकटकालीन अधिकारों) आदि के संबंध में प्रधानमंत्री की बात मानने के लिए बाध्य नहीं है। लेकिन इसके साथ ही दूसरी तरफ कुछ बातों में राष्ट्रपति के आदेश पर प्रधानमंत्री या विभागीय मंत्री का प्रति-हस्ताक्षर आवश्यक है। क्योंकि फ्रांस की कार्यपालिका राष्ट्रपति और मंत्रिपरिषद है, जिसमें राष्ट्रपति निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन सर्वेसर्वा नहीं। अमेरिका में राष्ट्रपति ही कार्यपालिका का प्रधान है, वह मंत्रियों को पदच्युत कर सकता है। लेकिन इस संबंध में फ्रांस का राष्ट्रपति की स्थिति स्पष्ट नहीं है। कुछ परिस्थितियों में भले ही वह इस कार्य को कर ले, लेकिन सभी परिस्थितियों में और अधिकार के साथ वह करने की स्थिति में नहीं है। दोनों देश के राष्ट्रपतियों को क्षमादान का अधिकार प्राप्त है वह अपने-अपने देश के प्रधान सेनापति होते है।

5. विधायी क्षेत्र में :— विधायी क्षेत्र में फ्रांस के पंचम गणतंत्र का राष्ट्रपति अमेरिकी राष्ट्रपति से अधिकशक्तिशाली है। फ्रांस का राष्ट्रपति प्रथम सदन (राष्ट्रीय सभा) को भंग कर सकता है तथा कुछ विधेयकों को जनमत संग्रह के लिए प्रसारित कर सकता है इसके विपरीत अमेरिका के राष्ट्रपति को इस तरह का अधिकार प्राप्त नहीं है। राष्ट्रीय सभा को भंग करने का अधिकार विशेषतौर पर राष्ट्रपति का ऐसा अधिकार है, जिसके आधार पर वह मनचाहे कानूनों का निर्माण करवा सकता है। और व्यवस्थापिका उसकी इच्छा में बाधक नहीं बन पाती, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति के संबंध में इस प्रकार की बात नहीं कही जा सकती और अनेक बार कांग्रेस के विरोध के कारण राष्ट्रपति को अपने नीतियों में

परिवर्तन करना पड़ा है।

कुछ अन्य बातों में फ्रांस के पंचम गणतंत्र के राष्ट्रपति को अमेरिकी राष्ट्रपति से अधिक शक्तिशाली बना दिया है। इनमें प्रमुख है राष्ट्रपति को अनुच्छेद-5 के द्वारा प्रदत्त "संविधान की व्याख्या करने की शक्ति" और राष्ट्रपति के संकट कालीन अधिकार। अमेरिका में संविधान की व्याख्या करने की शक्ति सर्वोच्च न्यायालय को प्राप्त है, लेकिन पंचम गणतंत्र के संविधान द्वारा यह शक्ति राष्ट्रपति को प्राप्त है, इस आधार पर राष्ट्रपति अधिक शक्तिशाली बन जाता है। इसके अतिरिक्त फ्रांस के राष्ट्रपति को संकट कालीन अधिकार प्रदान किये हैं, लेकिन अमेरिकी संविधान में संकटकाल के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं की गयी है। व्यवहार में स्वभाविक रूप से संकटकाल में राष्ट्रपति पद अधिक शक्तिशाली हो जाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति और फ्रांस के पंचम गणतंत्र का राष्ट्रपति दोनों ही अपने - अपने देश के सर्वोच्च पदाधिकारी हैं। कुछ क्षेत्रों में अमेरिका का राष्ट्रपति अधिक शक्तिशाली है और कुछ बातों में फ्रांस का राष्ट्रपति। अमेरिकी राष्ट्रपति के संबंध में स्ट्रांग ने कहा है कि "विश्व के अन्य किसी भी संवैधानिक राज्य में अमेरिकी राष्ट्रपति के समान व्यापक शक्तियों वाला कोई पदाधिकारी नहीं है।"

इसी प्रकार फ्रांस के पंचम गणतंत्र के राष्ट्रपति के संबंध में "मोरिश ड्यूवर्जे" ने लिखा है कि "फ्रांस के राष्ट्रपति को 19 वीं सदी के सम्राटों से भी अधिक अधिकार प्राप्त हैं।"

जहाँ तक पंचम गणतंत्र के राष्ट्रपति की तुलना भारत के राष्ट्रपति के साथ तथा ब्रिटेन के सम्राट के साथ तुलना का संबंध है इनमें आधारभूत अंतर है। ब्रिटेन और भारत में संसदीय व्यवस्था होने के कारण सम्राट और राष्ट्रपति अपने-अपने देशों के औपचारिक प्रधान मात्र हैं, और वास्तविक प्रधान सम्बन्धित देशों के प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद है। जबकि पंचम गणतंत्र का राष्ट्रपति फ्रांस का न केवल वैधानिक वरन् वास्तविक प्रधान भी है।

—— x —— x ——